सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

दूर शिक्षा निदेशालय

एम. जे.एम.सी.

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य

2014.15

एमजेएमसी-1	:	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
एमजेएमसी-2	:	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन
एमजेएमसी-3	:	जनसंचार शोध प्रविधि
एमजेएमसी-4	:	जनसंचार के सिद्धांत

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)

फोन/ फैक्स नं.-07152-247146

वेब साईटः www.hindivishwa.org

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

सत्रीय कार्य 2014-15

(Assignment 2014-15)

पाठ्यक्रम कोड: एम.जे.एम.सी.

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य हैं। इसमें निम्नलिखित चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं।

एमजेएमसी-1	:	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
एमजेएमसी-2	:	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन
एमजेएमसी-3	:	जनसंचार शोध प्रविधि
एमजेएमसी-4	:	जनसंचार के सिद्धांत

उद्देश्य: सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यो का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचार कर अपने शब्दों में लिखे। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार-व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश: सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए:

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बाईं और पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र (यदि लागू हों) का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध है।

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा:

अनुक्रमांक: ----------

नाम: ----------

पता: ----------

दिनांक: ----------

पाठ्यक्रम का नाम/कोड: ----------

सत्रीय कार्य कोड: ----------

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड (यदि लागू हो): ----------

3.उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4) के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5. अपनी लिखावट में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें:

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें।जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।

2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

(प्रो.संतोष भदौरिया)
पाठ्यक्रम संयोजक

सत्रीय कार्य भेजने का पता:
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय
वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं.-07152-247146
वेब साईटः www.hindivishwa.org
सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 मई 2015

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन

पाठ्यक्रम कोड - एम.जे.एम.सी. 1

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-1/2014-15

कुल अंक - 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1- फीचर लेखन की प्रमुख विशेषताओं पर निबन्ध लिखिए। 10

2- रेडियो के लिए लेखन की प्रविधि का विश्लेषण कीजिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3- स्तम्भ लेखन क्या है ? स्पष्ट करें। 03

4- उद्घोषणा से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5- (क) समूह लेखन 02

(ख) सृजनात्मक लेखन 02

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर
फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन

पाठ्यक्रम कोड - एम.जे.एम.सी. 2
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-2/2014-15
कुल अंक - 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1. फीचर के विभिन्न प्रकारों का विश्लेषण कीजिए। 10

2. पत्रकारिता के विविध आयामों पर निबन्ध लिखिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3. नाटक समीक्षा से आप क्या समझते है ? स्पष्ट करें। 03

4. संपादकीय प्रबंधन की विशेषताएं बताइए। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) पुस्तक समीक्षा। 02

(ख) बाल पत्रकारिता 02

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर
जनसंचार शोध प्रविधि

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 3
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-3/2014.15
कुल अंक - 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1.शोध अध्ययन में सामग्री संकलन के महत्व पर निबध लिखें। 10

2.सामाजिक प्रक्रिया में साक्षात्कार की भूमिका को स्पष्ट करें। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3. शोध परिकल्पना से क्या आशय है ? स्पष्ट करें। 03

4. राष्ट्रीय विकास में जनसंचार की भूमिका का विश्लेषण करें। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5- (क) माध्य,मध्य का, बहुलक 02

(ख) प्रश्नावली और अनुसूची 02

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

सत्र 2014-15

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

जनसंचार के सिद्धांत

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 4

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-4/2014-15

कुल अंक - 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य। लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें।

1- जनसंचार की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। 10

2- जनमत एवं प्रचार में जनसंचार की क्या भूमिका है ? विश्लेषित करें। 10

लघु उत्तरीय कार्य। लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें।

3- संचार के विभिन्न प्रकारों को समझाइए। 03

4- जनसंचार नीति के मुख्य बिन्दु बताइए। 03

टिप्पणी लिखें। प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5- (क) समाज और जनसंचार 02

(ख) व्यक्ति और जनसंचार 02